आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार

देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 31.03.2025

समय 1830

मुख्य समाचार :–

- देहरादून और हरिद्वार में कुट्टू का आटा खाने से कई लोग बीमार, मुख्यमंत्री ने कहा– दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- प्रदेश में गर्मियों के दौरान जल संकट से निपटने के लिए पेयजल विभाग ने विस्तृत योजना बनाई।

- सहकारिता मंत्री डॉक्टर धनसिंह रावत ने कहा–– राज्य सरकार ने देहरादून जिले में 50 हजार लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है।

- मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के अन्तर्गत सम्भागीय निरीक्षक पद पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

इलाज

राजधानी देहरादून में कुट्टू का आटा खाने से कई लोग बीमार हो गए, जिन्हे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सहारनपुर से सप्लाई हुए कुट्टू के आटे में मिलावट की संभावना से यह समस्या हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर धन सिंह रावत ने आज कोरोनेशन अस्पताल में फूड प्वाइजनिंग से प्रभावित मरीजों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत की और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अस्पतालों में भर्ती लोगों को समुचित इलाज मिले और जरूरत पड़ने पर बेड की संख्या बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि जिस दुकान से कुट्टू का आटा सप्लाई हुआ था, उसे सील कर दिया गया है और अन्य संबंधित दुकानों को भी सूचित कर दिया गया है। स्वास्थ्य सचिव को मामले की जांच के लिए निर्देशित किया गया है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उधर, हरिद्वार के लक्सर में भी कुट्टू के आटे का सेवन करने से लक्सर में 14 लोग बीमार हो गए। इन सभी को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विस्तृत योजना

उत्तराखंड में ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट से निपटने के लिए पेयजल विभाग ने विस्तृत योजना तैयारी की है। पेयजल नलकूपों, पंपिंग योजनाओं और पाइप लाइनों को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया गया है, साथ ही एसटीपी शोधित जल का उपयोग भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

पेयजल और स्वच्छता विभाग के सचिव शैलेश बगौली ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को अप्रैल माह के पहले पखवाड़े में पाइप लाइनों की लीकेज मरम्मत, जलाशयों और जल संरचनाओं की सफाई करने के निर्देश दिए हैं। टैंकरों से जलापूर्ति के मामले में भी निरीक्षण करने को कहा गया है और टैंकरों की सफाई और मरम्मत पर ध्यान देने के निर्देश दिये गये हैं। सभी नलकूपों और पंपिंग योजनाओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलती रहे, इसके लिए ऊर्जा विभाग से सहयोग की अपील की गई है। ग्रीष्मकाल में

विद्युत व्यवधान के कारण इन योजनाओं का संचालन प्रभावित होता है, जिसे रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, एसटीपी शोधित जल का उपयोग निर्माण कार्यों, उद्यानों और पौधरोपण की सिंचाई के लिए किया जाएगा। पेयजल सचिव ने मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण को इसके लिए निर्देश दिए हैं।

पेयजल शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिसमें उपभोक्ताओं की शिकायतों को दर्ज कर उनकी समीक्षा की जाएगी।

तीन की मृत्यु

टिहरी जिले के विकासखंड चंबा के चम्बा कोटी मोटर मार्ग पर जाख तिराह पर एक अल्टो कार दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी है। सूचना मिलते ही प्रशासन, एसडीआरएफ और पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर शवों को खाई से निकाला।

तैयारियां

चारधाम यात्रा को सुचारू और सुगम बनाने के लिए, शासन और प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की सुविधा और सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की गई है और होम स्टे को बढ़ावा देने के लिए सरकार सब्सिडी दे रही है। इसके अलावा उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के साथ ही कॉर्पोरेट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा।

मलबा

उत्तरकाशी जिले की सिलक्यारा सुरंग में वर्ष 2023 में हुए भूस्खलन के मलबे को कार्यदायी संस्था ने हटा लिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक आर०के सिंह ने कहा कि मलबे के कारण सुरंग के अंदर काम करने में परेशानी हो रही थी और अब मलबा हटने से निर्माण कार्य में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि मुख्य सुरंग की खुदाई के लिए करीब 30 मीटर हिस्सा बचा हुआ है और बचे हुए हिस्से को अप्रैल माह तक आर–पार किये जाने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष

राज्य सरकार ने देहरादून जिले में 50 हजार लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम सहकारिता मंत्री डॉक्टर धनसिंह रावत ने कहा कि सरकार इस लक्ष्य को जल्द पूरा करने का प्रयास करेगी। इस दौरान, डॉक्टर रावत ने उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ सभागार में महिलाओं और कृषकों के लिए कृषि एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा कि विकास के कार्य, सिर्फ बातों से नहीं होते, बल्कि इसके लिये धरातल पर काम करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे सहकारिता के क्षेत्र में नए विचारों के साथ मॉडल स्थापित करें और इसके लिये विभाग पूरी तकनीकी और अन्य सहायता प्रदान करेगा।

डॉक्टर रावत ने यह भी कहा कि देहरादून की 401 ग्राम सभाओं में बहुउद्देशीय समितियां बनाई जाएंगी, जो मत्स्य, डेयरी और अन्य कार्यों से जुड़ी होंगी।

नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज परिवहन विभाग के अन्तर्गत सम्भागीय निरीक्षक पद पर चयनित 8 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस दौरान उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि चयनित अभ्यर्थी अपने कार्यक्षेत्र में नवाचार करेंगे और परिवहन विभाग में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड, विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला प्रदेश है। राज्य में परिवहन के क्षेत्र में बहुत चुनौतियां हैं। उन्होंने आशा व्यक्त जताई कि वाहनों की फिटनेस जांच, मोटर वाहन अधिनियम और नियमों के पालन कराने और सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यों में सम्भागीय निरीक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में सड़क सुरक्षा और वाहनों की फिटनेस से संबंधित कार्यों में परिवहन विभाग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

बर्फबारी सफाई

बर्फबारी के कारण बाधित आदि कैलाश मार्ग को खोलने का काम तेजी से चल रहा है और अधिकांश बर्फ हटा दी गई है। वहीं, कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग कालापानी से 10 किलोमीटर आगे तक खुल चुका है। गौरतलब है कि गुंजी से आगे आदि कैलाश और कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्गों पर सात से 10 फुट तक बर्फ जमा होने से पिछले एक माह से वाहनों की आवाजाही बंद थी। आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर कुटी से ज्योलिंकांग के बीच बर्फ हटाने का काम तेजी से चल रहा है। उधर, कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर जमा बर्फ को भी तेजी से हटाया जा रहा है। मार्ग से बर्फ हटने और मौसम अनुकूल रहने पर आदि कैलाश, ओम पर्वत की यात्रा शुरू होगी।

भिटौली

कुमाऊं क्षेत्र की एक विशेष परम्परा– भिटौली

उत्तराखंड की सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं में हिंदू वर्ष के साथ शुरू हुए चैत्र माह का विशेष महत्व है। इस महीने में कुमाऊं क्षेत्र में विशेष रूप से मनायी जाने वाली भिटौली की परंपरा उत्तराखंड में बेटियों और बहनों के रूप में महिलाओं के प्रति प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। परंपरा के अनुसार, नवविवाहित बेटी को पहली भिटौली वैशाख माह में दी जाती है, और इसके बाद हर वर्ष चैत्र माह में यह परंपरा निभायी जाती है। इस दौरान माता–पिता अपनी बेटी के ससुराल जाते हैं और उसे नई फसल से घर का बना भोजन, मिठाइयां, कपड़े और अन्य उपहार देते हैं। यह परंपरा बेटियों को उनके मायके से जोड़े रखने का एक भावनात्मक माध्यम है।

ईद उल फित्र

ईद उल फित्र आज देश में धार्मिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जा रही है। यह पर्व रमजान महीने के समापन पर मनाया जाता है। ईदगाहों और बड़ी मस्जिदों में नमाज अदा की गई। इस अवसर पर लोग अपने रिश्तेदारों और मित्रों से मिल रहे हैं और एक–दूसरे को मिठाइयां और शुभकामनाएं दे रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को ईद–उल–फित्र की शुभकामनाएं दी हैं।